समास

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» समास परिचय: संक्षेपण का अर्थ

» अव्ययीभाव समास: अव्यय प्रधान

» तत्पुरुष समास: उत्तर पद प्रधान

» कर्मधारय और द्विगु: तत्पुरुष के उपभेद

» द्वंद्व समास: दोनों पद प्रधान

» बहुव्रीहि समास: किसी और पद की प्रधानता

» एकशेष: एक पद शेष बचना

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. "गायन-कुशल" जैसी समझ बनाइए: कई पद मिलकर एक पद कैसे बनाते हैं? (विचार-स्टेप्स लिखिए)

› दिया गया वाक्यांश पहचानिए: कौन-कौन से पद/शब्द जुड़े हैं?

› सोचिए: क्या कोई case ending या संबंध-बोधक हटकर एक नया compact पद बन रहा है?

› अंत में "संक्षेपित होकर" एक पद लिखने की प्रक्रिया बताइए।

उत्तर – समास में कई पद मिलकर संक्षेपित रूप में एक नया पद बनाते हैं; case endings/संबंध छोटे होकर एक compact compound बनता है।

उदाहरण 2. दिए गए शब्द-समूह में पहचानिए: क्या यह अव्ययीभाव हो सकता है? (पहला पद देखकर)

› शब्द-समूह के दो घटक अलग कीजिए।

› पहला घटक देखें: क्या वह अव्यय जैसा (non-inflecting) लगता है?

› यदि पहला घटक प्रधान लगे, तो नाम लिखिए: अव्ययीभाव।

उत्तर – जब पहला पद अव्यय और प्रधान हो, तब यह अव्ययीभाव समास होता है।

उदाहरण 3. एक युग्म देखकर लिखिए: क्या यह तत्पुरुष होगा? (उत्तर पद प्रधान rule)

› युग्म को two parts में तोड़िए (पूर्व पद + उत्तर पद)।

› देखिए कि अर्थ का मुख्य भार किस भाग पर है: उत्तर पर या पूर्व पर?

› यदि उत्तर पद प्रधान है और case endings हटने जैसा नियम लागू लगता है, तो नाम लिखिए: तत्पुरुष।

उत्तर – यदि अर्थ में उत्तर/दूसरा पद प्रधान हो, तो वह तत्पुरुष समास होगा।

उदाहरण 4. आपको एक युग्म दिया है–पहला पद गुण बताता है या संख्या? पहचानिए: कर्मधारय या द्विगु?

› पूर्व पद देखें: क्या वह संख्या/गणना जैसा संकेत देता है?

› यदि हाँ, लिखिए: द्विगु की ओर।

› यदि नहीं, पूर्व पद को गुण/विशेषण जैसा मानिए और लिखिए: कर्मधारय की ओर।

उत्तर – संख्या-आधारित पूर्व पद हो तो द्विगु; गुण/विशेषण-आधारित पूर्व पद हो तो कर्मधारय।

उदाहरण 5. किसी युग्म में पहचानिए: यह द्वंद्व है या तत्पुरुष? (principal check)

› पूर्व और उत्तर पद–दोनों का meaning देखें।
› यदि दोनों समान रूप से important लगें, तो द्वंद्व मानिए।
› यदि एक पद dominate करे, तो यह तत्पुरुष/अन्य श्रेणी की ओर जाएगा।

उत्तर – दोनों पदों की समान प्रधानता हो तो द्वंद्व; केवल एक प्रधान लगे तो नहीं।

उदाहरण 6. बहुव्रीहि पहचानने के लिए 3-step reasoning लिखिए।

› पूर्व पद और उत्तर पद अलग कीजिए।
› जाँचिए: क्या दोनों प्रधान हैं या नहीं?
› यदि 'अन्य' अर्थ प्रधान हो, तो लिखिए: बहुव्रीहि और विश्लेषण में 'यस्य स:' संकेत लगाइए।

उत्तर – जब पूर्व-उत्तर प्रधान न हों और 'यस्य स:' वाला अन्य अर्थ केंद्र में हो, तब बहुव्रीहि।

उदाहरण 7. दिए गए युग्म में तय कीजिए: क्या केवल एक पद शेष बचता है? (एकशेष पहचान)

› दिए युग्म के घटक अलग कीजिए।
› जाँचिए: क्या analysis में 'लोप' के बाद एक ही घटक प्रमुख बच रहा है?
› यदि हाँ, लिखिए: एकशेष।

उत्तर – जहाँ अन्य पदों का लोप होकर एक ही पद शेष बचे, वहाँ एकशेष होता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- 2-मार्क उत्तर में "संक्षेपण + कई पद एक पद" जरूर लिखिए।
- प्रश्न: "अव्ययीभाव में प्रधान क्या है?" उत्तर में 'पहला पद अव्यय' लिखिए।
- तत्पुरुष पर 2-मार्क में 'उत्तर पद प्रधान + विभक्ति लोप' लिखिए।
- उपभेद पूछे जाएँ तो नाम के साथ छोटा-सा संकेत लिखिए (गुण/संख्या)।
- यदि प्रश्न 'द्वंद्व' पूछे तो दोनों पद प्रधान + 'च' जरूर लिखिए।
- Answer में 'यस्य स:' जरूर लिखिए।
- एकशेष शब्द आए तो 'एक ही पद शेष' लाइन जरूर लिखिए।

एक नज़र में रिवीज़न

› सबसे पहले पूछिए: "एक नया पद बन रहा है या नहीं?"
› First word check = मुख्य कदम।
› उत्तर पद check: प्रधान वहीं है।
› पूर्व पद का type तय करता है: गुण या संख्या?
› Equal importance = द्वंद्व check.
› Other-main = बहुव्रीहि.
› "लोप" और "एक शेष" – यही anchor points हैं।